अध्याय–7

# व्यापार और भूमंडलीकरण

## आधुनिक काल के पूर्व वैश्विक संपर्क

यद्यपि भूमंडलीकरण की अवधारणा पिछले 5 दशकों में विकसित हुई परन्तु इसका उद्‌भव प्राचीन काल में खोजा जा सकता है। सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों ने इसे बढ़ावा दिया। सिंधु घाटी सभ्यता का मेसोपोटामिया से, भारत का रोमन जगत से तथा मध्य और द0पू0 एशियाई देशों से संपर्क बढ़ा। पूर्व मध्यकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल में भी व्यापारिक और सांस्कृतिक संपर्क विकसित हुआ। अलेक्जेंड्रिया शहर पहला विश्व बाजार के रूप में उभर कर आया, जिसे सिकन्दर ने स्थापित किया था।

## रेशम मार्ग का व्यापार में महत्व

ईसा की आरंभिक सदियों में व्यापार में रेशम मार्ग का महत्व बढ़ा। रेशम मार्ग नाम इस लिए पड़ा कि इसी मार्ग से चीनी रेशम और अन्य महत्वपूर्ण सामानों का व्यापार होता था। इस मार्ग द्वारा स्थल और समुद्री मार्ग से मध्य एशिया, द0पू0 एशिया, यूरोप और अफ्रीका जुड़ गए। पंद्रहवी शताब्दी तक यह एशिया से यूरोप को जोड़ने वाला प्रमुख व्यापारिक मार्ग बना रहा है।

## खाद्यान्नों का आदान–प्रदान

आपसी संपर्क से खाद्यान्न एक देश से दूसरे देश में ले जाए गए। 'झटपट तैयार होने वाले खाद्य पदार्थ नूडल्स का मूल स्थान चीन है। पास्ता को अरब यात्री सिसली ले गए। आलू, सोया, मुँगफली, मक्का, टमाटर, मिर्च, शकरकंद यूरोप से भारत आए।

## आरंभिक उपनिवेशीकरण और इसका प्रभाव

भौगोलिक खोजों ने उपनिवेशीकरण को बढ़ावा दिया। एशिया और अमेरिका के फसल और खनिज पदार्थों की ओर यूरोपीय व्यापारियों और नाविकों का ध्यान गया। अमेरिका का उपनिवेशीकरण हुआ। इंग्लैंड ने अमेरिका में अपने 13 उपनिवेश स्थापित किए। रोजगार की तलाश में तथा यूरोप में धार्मिक दंड से बचने के लिए बड़ी संख्या में यूरोपीय अमेरिका में बसने लगे।

## 19वीं शताब्दी की आर्थिक गतिविधियाँ, विश्व बाजार का स्वरूप एवं इसका विस्तार

19वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषता थी– व्यापार, श्रम तथा पूँजी का प्रवाह। औद्योगिक क्रांति की शरूआत इंग्लैंड से हुई।



https://www.evidyarthi.in/

## विश्व अर्थव्यवस्था का आरंभ, कार्न लॉ और इसका प्रभाव

ब्रिटेन में कृषि उत्पादों के मूल्य में वृद्धि हुई जिससे बड़े कृषक और भू–स्वामी लाभान्वित हुए। ब्रिटेन में खाद्यान्न के आयात को प्रतिबंधित करने के लिए कॉर्न लॉ पारित किया गया। बढ़ते प्रभाव के कारण सरकार को इस कानून को निरस्त करना पड़ा।

## कॉर्न लॉ के निरस्तीकरण के प्रभाव

- ब्रिटेन में खाद्यान्न का आयात बढ़ना।
- किसानों का पलायन।
- उपभोग क्षमता में वृद्धि।
- कृषि का विस्तार एवं श्रम का पलायन।
- परिवहन के साधनों एवं पूँजी की व्यवस्था।

## व्यापार के विकास में तकनीकी की भूमिका

- माल ढुलाई के लिए परिवहन के साधनों में सुधार।
- माँस के व्यापार में रेफ्रीजेरेटर का व्यवहार।
- इससे बिना क्षति पहुँचाए मॉस यूरोप भेजा गया।,
- मॉस की कीमतें घटीं और इसका उपयोग बढ़ गया।

## अफ्रीका और एशिया में उपनिवेशवाद

यूरोपीय शक्तियों ने सैनिक अभियानों और व्यापार द्वारा अफ्रीका का आपसी सैनिक बँटवारा कर वहाँ के आर्थिक संसाधनों पर अधिकार कर लिया तथा उपनिवेश विश्व अर्थव्यवस्था से जुड़ गए।

## भारत से श्रम प्रवाह

गिरमिटिया मजदूर बिहार के पश्चिमी क्षेत्र से भेजे जा रहे थे। गिरमिटिया मजदूर (अनुबंधित श्रमिक) असम के चाय बगानों, कैरीबियाई द्वीप समूह, मॉरीशस, फिजी श्रीलंका, मलाया ले जाए गए । होसे मेला, रास्ताफारियनवाद और चटनी म्यूजिक द्वारा भारतीय और विदेशी सांस्कृतिक तत्वों का समागम हुआ ।

## वैश्विक भारत में भारतीय पूँजीपति

महाजनों और साहूकारों ने एशिया और अफ्रीका में पूँजी निवेश किया। सिंधी व्यापारियों ने महत्वपूर्ण बंदरगाहों पर एम्पोरियम खोल कर धन कमाया ।



https://www.evidyarthi.in/

### वैश्विक व्यवस्था एवं भारतीय व्यापार

ईस्ट इंडिया कम्पनी के माध्यम से भारत ने वैश्विक व्यवस्था में भाग लिया । कपास, नील, अफीम का निर्यात किया । मैनचेस्टर में बने वस्त्र का, चाय, चीनी, मिट्टी के बर्तनऔर अन्य सामानों का आयात किया गया । इससे कंपनी को आर्थिक लाभ हुआ परन्तु भारत से धन निष्कासन बढ़ गया।

### विश्व बाजार की उपयोगिता

इससे लाभ और हानि दोनों हुई। उपभोक्ता वर्ग के हितों की सुरक्षा, व्यापार और उद्योग का विकास–एशिया, अफ्रीका में सम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद का विकास– उपनिवेशों का आर्थिक दोहन।

### दो विश्वयुद्धों के बीच विश्व बाजार और अर्थव्यवस्था

प्रथम विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था कमजोर हो गई तथा अमेरिका की संपन्नता बढ़ गई। अमेरिका विश्व का कर्जदाता बन गया था । युद्ध के दौरान मांग, उत्पादन और रोजगार में तेजी आई परन्तु धीरे–धीरे किसानों की स्थिति दयनीय बन गई ।

### प्रथम विश्वयुद्ध के बाद अमेरिकी अर्थव्यवस्था

अमेरिकी अर्थव्यवस्था की प्रमुख व्यवस्था थी– वृहत उत्पादन। इसका आरंभ कार निर्माण के लिए हेनरी फोर्ड ने किया।

### अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लाभ

- इंजीनियरिंग सामानों की लागत और मूल्य में कमी आई।
- वेतन बढ़ने से मजदूरों की स्थिति में सुधार आया।
- उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई एवं उत्पादन की गति लगातार बढ़ती गई।
- उपभोक्ता वस्तुओं,घरों को खरीदने क लिए हायर परचेज की व्यवस्था की गई जिससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हुई।

### महामंदी

1929–30 में आर्थिक महामंदी आई। इसके कारण नाजीवादी–फासीवादी शासन का उदय हुआ ।

| कारण | प्रभाव | |
|---|---|---|
| | भारत पर प्रभाव | विश्व पर प्रभाव |
| • कृषि में अति उत्पादन<br>• अमेरिकी पूँजी के प्रवाह में कमी<br>• उपभोक्ता की कमी | • व्यापार में गिरावट<br>• कृषि उत्पादन के मूल्य में कमी<br>• बंगाल का पटसन उद्योग नष्ट<br>• भारत में सोने का निर्यात बढ़ गया | • बैंकिंग व्यवस्था नष्ट प्राय<br>• निर्धनता और बेरोजगारी<br>• ब्रिटेन और जर्मनी सबसे अधिक प्रभावित। |



https://www.evidyarthi.in/

## युद्धोत्तर विश्व बाजार एवं बदलते अंतराष्ट्रीय संबंध

(i) 1920–29 आर्थिक सम्पन्नता का काल

(ii) 1929–1945 में आर्थिक मंदी एवं इसके प्रभावों से मुक्त होने का प्रयास–अमेरिका में रूजवेल्ट की न्यू डील ।

## युद्धोत्तर अंतराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था

### दो मुख्य तत्व

- आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए सरकारी हस्तक्षेप जरूरी
- अंतराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों को सुनिश्चित करने में सरकारी भूमिका पर बल
- 1944 में ब्रेटन वुड्स में संयुक्त राष्ट्र मौद्रिक एवं वित्तीय सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें 2 संस्थान आए

## अंतराष्ट्रीय मुद्राकोष (IMF) एवं विश्व बैंक (स्थापना 1944 में)

**उद्धेश्य**

- राष्ट्रीय मुद्राओं की विनिमय दर निर्धारित करना।
- विकसित देशों को कर्ज उपलब्ध करना।

### 1950 के दशक के बाद परिवर्तन : 1945–60 के दशक के बीच अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधः–

साम्यवादी एवं पूँजीवादी विकास– पश्चिमी यूरोप में आर्थिक विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध– एशिया और अफ्रीका में नव स्वतंत्र विकासशील राष्ट्रों की आर्थिक नीति।

## भूमंडलीकरण

- विश्व के सभी राष्ट्र आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से एक दूसरे से जुड़ गए ।
- 1991 के बाद भूमंडलीकरण का तेजी से प्रसार।
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं तथा क्षेत्रीय संघों, बहु राष्ट्रीय कंपनियों का इस प्रसार में योगदान।

## वर्तमान जीविकोपार्जन और भूमंडलीकरण के बीच अन्तर्साम्य

- सेवा क्षेत्र– बैंक, बीमा, पर्यटन, सूचना और संचार के माध्यमों का विकास।
- बेरोजगारी की समस्या का समाधान।
- अमेरिकी आर्थिक साम्राज्यवाद का उदय और विकास।

◆◆◆



evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/